

लेखाशास्त्र

कक्षा-12

भाग-1

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

- साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु – देय राशि का निर्धारण, नया लाभ विभाजन अनुपात, अधिलाभ अनुपात, ख्याति का व्यवहार, परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजन, संचित लाभों तथा हानियों का समायोजन, सेवा निवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा, साझेदारों की पूँजी का समायोजन, साझेदार की मृत्यु।
- साझेदारी फर्म का विघटन – साझेदारी का विघटन, फर्म का विघटन, खातों का निपटारा, लेखांकन व्यवहार।
- ऋणपत्रों का निर्गमन एवं मोचन –

उपखण्ड-1– ऋणपत्रों का आशय, प्रकार, अंश व ऋणपत्र में अन्तर, ऋणपत्रों का निर्गमन, ऋणपत्रों पर ब्याज, बट्टे का अपलेखन।

उपखण्ड-2– ऋणपत्रों का मोचन (शोधन)– आशय एवं विधियाँ (एक मुश्त भुगतान द्वारा मोचन, खुले बाजार में क्रय द्वारा मोचन, परिवर्तन द्वारा मोचन, निर्गम निधि-विधि)

- लेखांकन अनुपात – अर्थ, अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य, अनुपात विश्लेषण के लाभ, सीमाएं, अनुपातों के प्रकार।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

लेखाशास्त्र

कक्षा-12

भाग-1

अलाभकारी संस्थाएँ एवं साझेदारी खाते

- अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन – अर्थ, विशेषताएं, अभिलेखों का लेखांकन प्राप्ति एवं भुगतान खाता, आय-व्यय खाता, तुलनपत्र।
- साझेदारी लेखांकन – आधारभूत अवधारणाएं– साझेदारी की प्रकृति, विशेषताएं, विलेख, साझेदारों के पूँजी खाते का अनुरक्षण, लाभ विभाजन पूर्व समायोजन, अन्तिम लेखे।
- साझेदारी फर्म का पुर्नगठन – साझेदारी की प्रवेश– साझेदारी फर्म के पुर्नगठन के प्रकार, साझेदार का प्रवेश, नया लाभ-विभाजन अनुपात, त्याग अनुपात, ख्याति-आशय, प्रभावित करने वाले घटक, ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता, विधियां, संचित लाभों एवं

हानियों का समायोजन, परिसम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निर्धारण, पूँजी का समायोजन, वर्तमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन।

भाग-2

कम्पनी खाते एवं वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

- कम्पनी की अंश पूँजी – कम्पनी का आशय, विशेषताएं, प्रकार।
- अंश पूँजी – आशय एवं वर्गीकरण, अंशों का श्रेणियन एवं प्रकृति, अंशों का निर्गमन (लेखांकन व्यवहार), अंशों का हरण।
- कम्पनी को वित्तीय विवरण – अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, प्रकार, उपयोगिता एवं महत्व, सीमाएं।
- वित्तीय विवरणों का विश्लेषण – तात्पर्य, महत्व, उद्देश्य तकनीकें, तुलनात्मक विवरण, समरूप विवरण, प्रवृत्ति विश्लेषण, वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं।
- रोकड़ प्रवाह विवरण – उद्देश्य, लाभ, रोकड़ प्रवाह एवं गणना, रोकड़ प्रवाह विवरण का निर्माण।